स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना

प्रथम तथा द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2013–14 Onwards

विषय – समाजशास्त्र **iFke lseLVj**

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी. सी.ई	सैध्दान्तिक	सी. सी.ई
प्रथम	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा –I Classical sociological Tradition -I	85	15	28	05
द्वितीय	सामाजिक अनुसंधान का पध्दतिशास्त्र –I Methodology & Social Research	85	15	28	05
तृतीय	भारत में ग्रामीण समाज–I Rural Society in Indian-I	85	15	28	05
चतुर्थ	भारत में नगरीय समाज –I Urban Society in India-I	85	15	28	05
	f}rh; lseLVj				
प्रथम	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा –II Classical sociological Tradition -II	85	15	28	05
द्वितीय	सामाजिक अनुसंधान का पध्दतिशास्त्र . –II Methodology & Social Research	85	15	28	05
तृतीय	भारत में ग्रामीण समाज–II Rural Society in India-II	85	15	28	05
चतुर्थ	भारत में नगरीय समाज –II Urban Society in India	85	15	28	05

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

M.A. Sociology

I Semester

Paper I: Classic Sociology Tradition - I

अनिवार्य : **Compulsory**

Max. Marks : 85+15 CCE

Unit-I - History of Socio-Economic background of Emergence of Sociology, Conte's Hierarchy of Science, Brief History of development of Social Thought, Industrial Revolution.

इकाई 1– समाजशास्त्र के उद्भव का सामाजिक आर्थिक इतिहास, काम्ट का विज्ञानों का संस्तरण,सामाजिक चिन्तन के विकास का संक्षिप्त इतिहास, औद्योगिक क्रांति ।

Unit –II- Karl Marx-Theory of Social change, Economic determinism, Dialectical materialism, Materialistic interpretation of different ages.

इकाई 2.– कार्ल मार्क्स, सामाजिक परिवर्तन का सिध्दान्त, आर्थिक निर्धारणवाद, द्वदांत्मक भौतिकवाद, विभिन्न युगों की भौतिकवादी व्याख्या ।

Unit III- Emile Durkhiem- Lntellectual background, Mechanical and Organic Solidarities, increasing division of Labours, Social disintegration as a legacy of Industrial Revolution.

इकाई 3– ईमाइल दुर्खीम : बोध्दिक पृष्ठ भूमि,यान्त्रिक व सावयवी एकता, बढता हुआ श्रम विभाजन, सामाजिक विघटन औद्योगिक क्रान्ति की विरासत के रूप में ।

Unit IV- Intellect background Analysis of Modern Capitalism, Theory of Authority, Authority and Power, Protestant Ethis and rise of capitalism.

इकाई 4– मेक्सवेबर, बौध्दिक पृष्ठभूमि,आधुनिक पूंतीवाद का विश्लेषण, सत्ता का सिध्दान्त, सत्ता और शक्ति, प्रोटेस्टेन्ट आचार और पूंजीवाद का विकास ।

Unit V- Intellectual background, Theory of Leisure Class, Theory of Social Change, Theory of conspicuous, Consumption.

इकाई 5– थर्सटीन वेबलिन–बौध्दिक पृष्ठभूमि,विलासी वर्ग का सिध्दान्त,सामाजिक परिवर्तन का सिध्दान्त,आकर्षक उपयोग का सिध्दान्त ।

M.A. Sociology

Semester I

Paper II: Methodology of Social Research

Unit I- Concept of method and methodology, Techniques of Social Research, Meaning and nature of Social Research.

इकाई 1– पध्दति एवं पध्दतिशास्त्र की अवधारणा, अनुसंधान की प्रविधियॉं, सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकृति ।

Unit II- Scientific method in social science, Types of Social Research, Research design, Basic steps in Social Research.
इकाई 2– सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक पध्दति,सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान अभिकल्प या परिकल्प (डिजाईन) सामाजिक अनुसंधान के चरण ।

Unit III- Nature of Social Reality and Approaches, Methodological Perspectives in Sociological Theory, Logic of Inquiry in Social Research.
इकाई 3– सामाजिक यथार्थ की प्रकृति एवं उपागम, सामाजशास्त्रीय सिध्दान्त में पध्दतिशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (दृष्टिकोण), सामाजिक अनुसंधान में अन्वेषण का तर्क ।

Unit IV- Inductive and Deductive Logic, Theory Building, Reliability and Validity, Significance of Hypothesis in Social Research, Objectivity.
इकाई 4– आगमन एवं निगमन तर्क, सिध्दान्त निर्माण, विश्वसनीय एवं वैधता,सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व ,वस्तुनिष्ठता ।

Unit V- Quantitative Research Techniques, Techniques and Methods of qualitative Resarch, Participant observation,Ethnography, Interview.
इकाई 5– परिमाणात्मक अनुसंधान, प्रविधियॉ, गुणात्मक अनुसंधान की प्रविधियॉ एवं पध्दतियॉ,सहभागी अवलोकन,नृजातिलेखन,साक्षात्कार ।

M.A. Sociology

Semester I

Paper III- Rural Society in Indian- I

Unit I- Rural Society- Meaning Definitions, Characteristics, Agrarian, Peasant and Folk Society : concept and Characteristics, Village concept, Types, Rural- Urban Distinction and Continuu.
इकाई 1– ग्रामीण समाज का अर्थ, परिभाषा विशेषताएँ, खेतिहर कृषक एवं लोक समाज की अवधारणा एवं विशेषताएँ । गांव की अवधारणा,गांव के प्रकार, ग्रामीण–नगरीय भिन्नता एवं सातत्य

Unit II- Rural Social Institution : Family, Religion, Marriage, Caste System and Changing Patterns.
इकई 2– ग्रामीण सामाजिक संस्थाऐं :– परिवार,धर्म,विवाह,जाति व्यवस्था और इनके बदलते प्रतिमान ।

Unit III- Agrarian Relation in Rural Indian : Land ownership and its Types. Rural Economy in India :- Characteristics and Elements ,Rural class Structure, Jajmani system, Agrarian Movements in India.
इकाई 3– ग्रामीण भारत में कृषक संबंध,भू–स्वामित्व और इनके प्रकार । भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेषताएँ एवंत त्व । ग्रामीण वर्ग संरचना,जजमानी व्यवस्था,भारत के कृषक आन्दोलन

Unit IV- Rural Political Life : Rural elite and Leadership-Past and present Fraction and Factionalism in Rural India. Dominant caste in India. Emerging Rural Leadership and Development.
इकाई 4– ग्रामीण राजनैतिक जीवन :– ग्रमीण अभिजात वर्ग एवं नेतृत्व परम्परागत एवं वर्तमान । ग्रामीण भारत में गुट एवं गुटबाजी,भारत में प्रभुजाति,ग्रामीण नेत्त्व के उभरते प्रतिमान एवं विकास ।

Unit V- Rural Problem : Rural Poverty, Land less Labour, Untochablity, Emigration of people. Rural Education, Rural Health.
इकाई 5– ग्रामीण सामाजिक समस्याएँ : ग्रमीण गरीबी, भूमिहिन श्रमिक, अस्पृश्यता, ग्रामीणा समाज में प्रवासिता ग्रमीण शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य ।

M.A. Sociology
Semester I
Paper IV% Urban Society in India –I

Unit I- Urban Sociology : Concept of Urban Sociology Scope and importance of Urban Study, Characteristics of Urban community, Changing Urban community.
bdkbZ 1& Ukxjh; lekt'kkL= % uxjh; lekt'kkL= dh vo/kkj.kk] {ks= ,oa uxjh; lekt'kkL= ds v/;;u dk egRo]uxjh; leqnk; dh fo'ks"krk,¡]uxjh; leqnk; esa ifjorZu A

Unit II- Urban Society in India : Characteristics of Urban Community in India, Causes and Impact of Urbanization.
bdkbZ 2& Hkkjr esa uxjh; lekt% Hkkjr esa uxjh; leqnk; dh fo'ks"krk,a uxjh;dj.k ds dkj.k ,oa ifj.kke A

Unit III- Classification of Urban Centers, Indian city and its Growth, Causes of Urban development.
इकाई 3– नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण, भारतीय नगर और विकास नगरों के विकास के कारण ।

Unit IV- Concept of Occupation, Development of Occupational and Changing Occupational Structure Social Mobility , Migration.
इकाई 4– व्यवसाय की अवधारणा,व्यवसाय का विकास एवं परिवर्तित व्यवसायिक संरचना,सामाजिक गतिशीलता,प्रवास

Unit V- Concept of Town planning, Factors affecting Urban planning, Problem of Urban Management in India.
इकाई 5– नगर नियोजन की अवधारणा, नगर नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक,भारत में नगरीय प्रबंध की समस्यायें ।

Semester II
Compulsory Paper I
Classical Sociological Tradition – II

Unit I- Impact of Industrial Revolution on Society and economy, New Modes of production August Comte-Theory of Static and dynamics, Law of three stages, positivism, Religion of Humanity.
इकाई 1– औद्योगिक क्रान्ति का समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव,उत्पादन के नवीन साधन ऑगस्ट कॉम्ट–स्थिर व गतिशीलता का सिध्दान्त, तीन स्तरों का नियम,प्रत्यक्षवाद, मानवता का धर्म

Unit II- Karl Marx-Emergence and development of capitalism, class and class Conflict, Future of capitalism, alienation, ideology in capitalistic Societies.
इकाई 2– कार्ल मार्क्स–पूंजीवाद का उद्भव और विकास,वर्ग और वर्ग संघर्ष, पूंजीवाद का भविष्य, पूंजीवादी समाजों में अलगाव,वैचारिकी ।

Unit III- Durkheim Theory of Suicide, Methodology, Theory of Religions, Scared and profane, Religious rituals.
इकाई 3– दुर्खीम– आत्म हत्या का सिध्दान्त, पध्दतिशास्त्र, धर्म का सिध्दान्त,पवित्र और अपवित्र की धारणा, धार्मिक कर्मकाण्ड ।

Unit IV- Maxweber-Theory of Bureaucracy, Capitalism and Growing rationalism Concept of Status, Class and Power, Concept of Verstehen.
इकाई 4– मेक्सवेबर,नौकरशाही का सिध्दान्त,पूंजीवाद और बढता विवेकीकरण,कस्थति की अवधारणा,वर्ग और शक्ति,निर्वाचनात्मक बोध की अवधारणा ।

Unit V- Villfeoto Pareto-Intellectual background, Scientific concept, Classification of Logical and non logical actions,Theoty of Residues, Circulation of Elites.
इकाई 5– विलफ्रडो पेरेटो बौध्दिक पृष्ठभूमि,वैज्ञानकि अवधारणा,तार्किक और अतार्किक क्रियाओं का वर्गीकरण,विशिष्ट चालक का सिध्दान्त,अभिजात वर्ग का परिभ्रमण ।

References :- (1) Persons TalcoTt 1937-1949 The Stracture of Social Action. Vol. I & II McGrew Hill, New Delhi.
(2) Nisbet 1966-The Sociology Tradition. Heinemann Education Books Ltd. London.
(3) Zeitin Lrvin 1981- Idology and the Development Sociological Theory, Prentic Hall.

Semester II

Compulsory Paper II

Methodology of Social Research

Unit I- Quantitative Methods and Survey Research, Assumption of Quantification and measurement. Survey techniques, Limitations of Survey.
इकाई 1– परिमाणात्मक पध्दतियॉ एवं सर्वेक्षण अनुसंधान, सर्वेक्षण पध्दतियॉ,सर्वेक्षण की सीमाएँ ।

Unit II- Sampling design, Questionnaire Construction of Interview Schedule, Measurment and Scaling.
इकाई 2– निदर्शन प्ररचना, प्रश्नावली का निर्माण अथवा रचना,साक्षात्कार अनुसूची,अनुमापन एवं पैमाने ।

Unit III- Case study method, Content Analysis, Life History, Sociometry.
इकाई 3– वैयक्तिक अध्ययन पध्दति,अन्तवस्तु विश्लेषण जीवन इतिहास, समाजमिति ।
Unit IV- Statistics in Social Research its importance and Limitations, Measurs of Central tendency : arithmatic mean, Median, Mode, Measures of Dispersion : Mean deviation, Standard deviation, Quartile deviation.
इकाई 4– सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी – उपयोगिता एवं सीमाऍ,केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापः समान्तर माध्य,मध्यका एवं भुयिष्ठक अपकिरण के माप : माध्य विचलन,प्रमाप विचलन,चतुर्थक विचलन ।

Unit V- Co-relation Analysis, Graphic and diagrammatic presentation of Data, Application of computer in Social Research.
इकाई 5– सहसम्बन्ध विश्लेषण,ग्राफ एवं चित्रों द्वारा तथ्यों का प्रस्तुतिकरण,सामाजिक अनुसंधान में संगणक(कम्प्यूटर) की उपादेयता ।

References :-

(1) Scientific Social Surveys and Resaerch-P.V.Young.
(2) समाजिक शोध एवं सांख्यिकी– रविन्द्र नाथ मुकर्जी
(3) शोध प्रविधि एवं क्षेत्रीय तकनीक–डॉ. बी.एम. जैन
(4) रिसर्च मैथेडोलाजी– डॉ. शर्मा एवं वाय. शर्मा
(5) समाजशास्त्रीय पध्दतियॉ– रामजी यादव
(6) सामाजिक अनुसंधान – डी.एस.बघेल
(7) सामाजिक अनुसंधान की पध्दतियॉ – महाजन
(8) सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान – डॉ. धर्मवीर महाजन
(9) समाजशास्त्रीय अनुसंधान का तर्क और विधियॉ
(10) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी तार्किकता – डॉ. आर. त्रिपाठी

Semester II

Compulsory Paper III

Rural Society in India –II

Unit I- Rural Development : Meaning and Significance of reral development in society, Panchayati Raj, Panchayati Raj before and after 73 rd Amendment Panchayati Raj in Madhya Pradesh.

इकाई 1– ग्रामीण विकास : समाज में ग्रामीण विकास का अर्थ एवं महत्व, पंचायती राज –73 वें संशोधित अधिनियम के पूर्व एवं प्श्चात् पंचायती राज, मध्यप्रदेश में पंचायती राज ।

Unit II- Rural Reconstruction and Planning : Community Development Programme, Five year plans. Co-operatives in Rural India, Self Help Group, Gender and Development.

इकाई 2– ग्रामीण पुनर्निर्माण और नियोजन : सामुदायिक विकास कार्यक्रम,पंचवर्षीय योजनाएँ, ग्रामीण भारत में सहकारिता, स्वयं सेवा समूह,जेन्डर एवं विकास ।

Unit III- Issues related to Rural Development Rural Social structure and Institutions, development and Socio-Economic Disparities.

इकाई 3– ग्रामीण विकास से संबंधित मुद्दे एवं समस्याएँ ग्रामीण सामाजिक संरचना तथा संस्थाएँ, विकास और सामाजिक आर्थिक असमानताएँ ।

Unit IV- Significance of Village Studies in India, Changing Rural Society, Green Revolution and Social Change, Empowerment of Rural India.

इकाई 4– भारतीय ग्रामीण अध्ययन का महत्प । परितर्तित ग्रामीण समाज, हरित क्रांति और सामाजिक परिवर्तन । ग्रामीण भारत में सशक्तिकरण ।

Unit V - Social Change in Rural India, Modernization, Globalization and Information Technology and its impact on Rural India, Planned change for Rural Society.

इकाई 5– ग्रामीण भारत में सामाजिक परिवर्तन : आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना तकनीक का ग्रामीण भारत में प्रभाव, ग्रमीण भारत में नियोजित परिवर्तन ।

References :-

(1) Mukarjee R.N.- Dynamics of Rural Society.
(2) Sharma Ram Nath- garamin Samajashastra (Hindi)
(3) Majumdar R.K.- Chhor ka ek gaon. (Hindi)
(4) भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र – गुप्ता, शर्मा
(5) भारत में ग्रामीण समाज– डी.एस. बघेल
(6) ग्रामीण समाजशास्त्र – जी.के. अग्रवाल, एस.एस. पाण्डेय
(7) ग्रामीण समाजशास्त्र–संजीव महाजन
(8) भारत में ग्रामीण समाज – अमित अग्रवाल

Semester II

Compulsory Paper IV

Urban Society in India

Unit I- Urban family, Recent trends, Urban personality, causes of disorganization of urban family and its, reorganization.
इकाई 1– नगरीय परिवार, आधुनिक प्रवृत्तियॉ,नगरीय व्यक्तित्व, नगरीय परिवार के विघटन के कारण एवं पुर्नगठन ।

Unit II- Indian city and its growrh, megapolis, Housing problems, Slums, Urban environmental problems, Urban poverty.
इकाई 2– भारतीय नगर और नगरों का विकास,मेगापोलिस, आवास समस्या,गंदी बस्ती, नगरीय पर्यावरण की समस्यायें, नगरीय गरीबी ।

Unit III- Town and City, Metropolis, local Governance in Urban Community and irs problem.
इकाई 3– कस्बा और नगर, मेट्रोपोलिस, नगरीय समुदाय में स्थानीय शासन एवं समस्याएॅ ।

Unit IV- Urban Problems : Crime, Juvenile Delinquency, Alcoholism, Corruption.
इकाई 4– नगर की समस्यायें, अपराध, बाल अपराध,मद्यपान,भष्ट्राचार ।

Unit V- Impact of westernization process in India, Nature and Characteristics of Modernization, Role of Mass Media, IT and Computer.
इकाई 5– भारत में पश्चिमीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव, आधुनिकीकरण की प्रकृति एवं विशेषताएं, जनसंचार,सूचना प्रौद्योगिकी एवं कम्प्यूटर की भूमिका ।

References :-

(1) Baghel D.S.- Nagariy Samajshastra.
(2) Singh B.N. – Nagariy Samajshastra.
(3) Desai A.R. and Pallai S.D. (ed) 1970 : Slums and Urbanisation, Popular Prakashan, Bombay.
(4) ग्रमीण एवं नगरीय समाजशास्त्र – ओम प्रकाश जोशी
(5) नगरीय समाजशास्त्र – गणेश पाण्डेय एवं अरूणा पाण्डेय
(6) नगरीय समाजशास्त्र के विविध आयाम – सुरेन्द्र कुमार शर्मा
(7) नगरीय समाजशास्त्र – शारदा तिवारी